

31  $\frac{1}{23}$

पत्रावली प्रान्तर कठिल वही कुरु  
-पत्रालय के डाक कार-कार कुरु  
का काकोज लगनी मई लेखित ना  
तो वही ना ही कठिल वही पत्रालय  
के सपथ उपनिषत् कुरु। अतः वाज  
कुरु हाजिरी कुरु वही के कारिज  
किना जाता है कावली निपनातुना  
दाखिल कुरु घेरा नकर ले  
कुरु घे।

*Prade*  
(प्रियंका तेलानिया)  
उपखण्ड अधिकारी  
अनूपगढ़

